मंगलवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
30 दिसम्बर 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 326
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बस खाई में गिरी, 7 लोगों की मौत

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक बस के खाई में गिर जाने से जहां 7 लोगों की मौत हो गयी वही कई लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस व एसआरडीएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से घायलों व मृतको को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया जहां घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

मुख्यमंत्री धामी ने बस दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद अल्मोड़ा में भिकियासैंण से रामनगर जा रही बस के भिकियासैंण-विनायक मोटर मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगतों की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें। मुख्यमंत्री धामी ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि हादसे में घायल सभी यात्रियों को त्वरित एवं समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है तथा गंभीर रूप से घायलों को बेहतर उपचार हेतु उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं इस पूरे प्रकरण की लगातार निगरानी कर रहे हैं और प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

सड़क दुर्घटना का यह मामला अल्मोड़ा जिले के भिकियासैंण क्षेत्र में सामने आया है। यहां भिकियासैंण के शिलापनी इलाके में एक यात्री बस के गहरी खाई में गिरने की सूचना मिली है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में 6 से 7 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है, जबकि कई यात्री घायल बताए जा रहे हैं। बस में 17 से 18 लोग सवार होना बताये जा रहे है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें मौके के लिए रवाना हो गई हैं।

स्थानीय ग्रामीण भी राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। खाई गहरी होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतें आ रही हैं। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन द्वारा मृतकों और घायलों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि की जानी बाकी है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है।

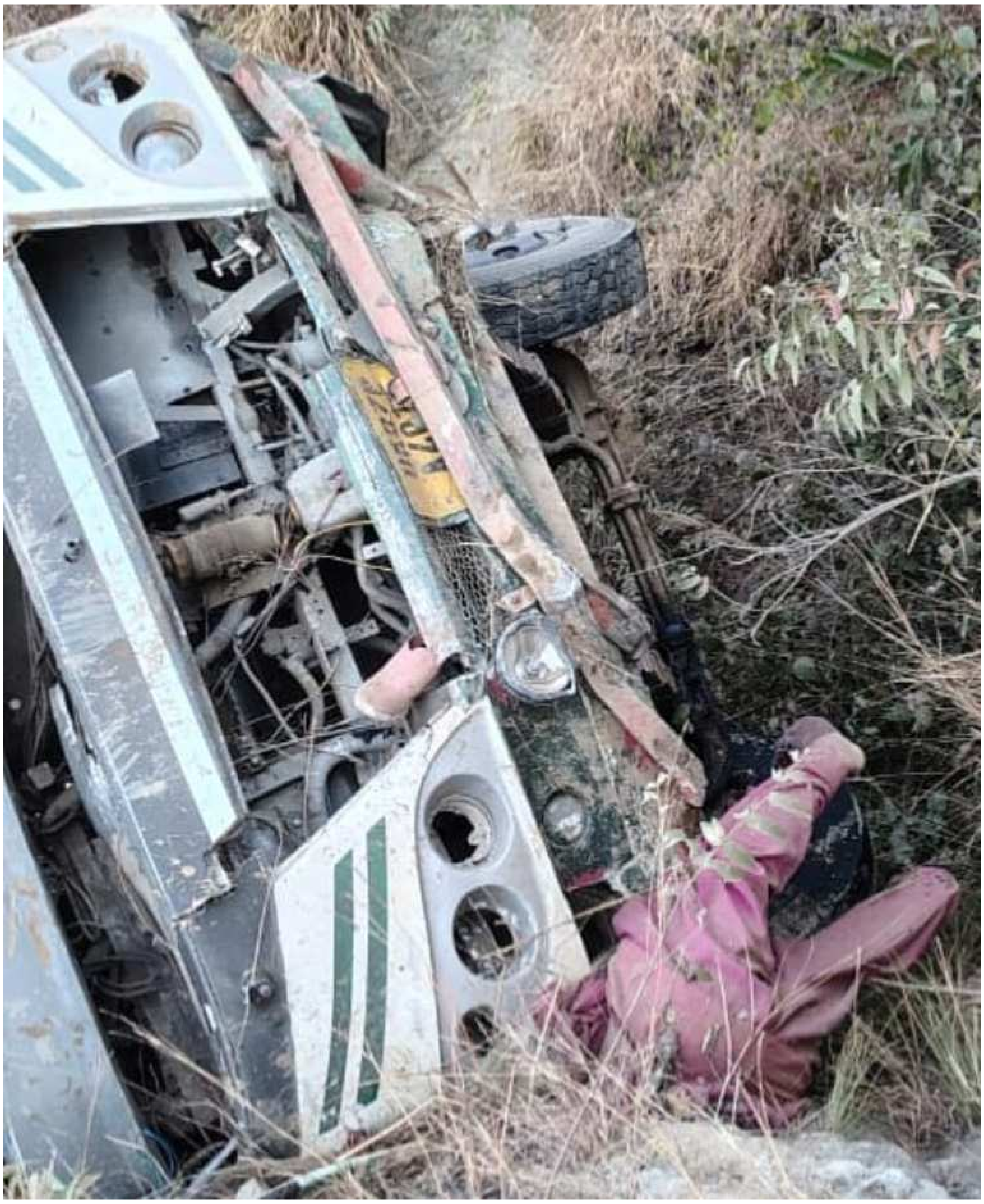

बताया जा रहा है कि द्वाराहाट-भिकियासैंणख्र बासोट होते हुए रामनगर की ओर जा रही एक यात्री बस आज सुबह लगभग 8 बजे भिकियासैंण से करीब 4 किलोमीटर आगे शीलापानी (विनायक क्षेत्र) में अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में 6 से 7 लोगों के मरने की सूचना प्राप्त हुई है।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस विभाग को अवगत कराया गया। मौके पर उपजिलाधिकारी भिकियासैंण याक्षी अरोड़ा, थानाध्यक्ष भतरौंजखान अवनीश कुमार एवं उप निरीक्षक भतरौंजखान संजय जोशी अपनी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुँच गए हैं। इसके साथ ही एम्बुलेंस भी मौके पर पहुँच चुकी है और राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

आंगनवाडी केन्द्रों को आदर्श केन्द्रों की तर्ज पर विकसित किया जाये: बर्द्धन

संवाददाता

देहरादून मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने निर्देश दिये कि प्रदेशभर के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों को आदर्श आंगनवाड़ी केन्द्रों की तर्ज पर विकसित किया जाए। विभागों और उनके जनपद स्तरीय कार्यालयों में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस व्यवस्था की जाए लागू।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में सचिव समिति बैठक के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों को वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों को गर्ल्स टॉयलेट से 8 मार्च, 2026 तक सैचुरेट किया जाए। स्कूलों में शौचालयों की सफाई और देखभाल के लिए शीघ्र कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए। प्रदेशभर के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों को आदर्श आंगनवाड़ी केन्द्रों की तर्ज पर विकसित किया जाए। विभागों और उनके जनपद स्तरीय कार्यालयों में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस व्यवस्था की जाए लागू।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेशभर के सभी सरकारी स्कूलों को शीघ्र ही गर्ल्स टॉयलेट से सैचुरेट किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकतर स्कूलों में टॉयलेट उपलब्ध हैं, परन्तु उनकी साफ-सफाई आदि के लिए व्यवस्था न होने के कारण ऐसे टॉयलेट प्रयोग नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग को पूरे प्रदेश के सरकारी स्कूलों के लिए टॉयलेट एवं उनकी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु वर्क प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने विद्यालयों में विद्यार्थियों को प्रदेश के पर्यटक स्थलों का 2 से 3 दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि इससे बच्चों को अपने राज्य एवं उसकी विशेषताओं को जानने का मौका मिलेगा। मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों को सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसके लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के सीएसआर फंड का पूर्णत: उपयोग आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए किए जाने की बात कही। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों को अपने आसपास के क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद लिए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने नए आंगनवाड़ी केंद्रों को स्कूलों के समीप स्थापित किए जाने की बात भी कही। कहा कि इससे आंगनवाड़ी और स्कूल के बीच के गैप को कम किया जा सकेगा, और आंगनवाड़ी केंद्रों के मूल उद्देश्यों को पूरा किया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने खेल विभाग को अपने तैयार इन्फ्रास्ट्रक्चर को वर्षभर उपयोग में लाते हुए इनके अधिकतम उपयोग हेतु शीघ्र एक कार्ययोजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पोर्ट्स यूनीवर्सिटी शीघ्र शुरू किए जाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि हमें बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हुए बहुत आगे की तैयारियां करनी होंगी। वर्ष 2036 में आयोजित होने वाले ओलिम्पिक गेम्स में उत्तराखण्ड के खिलाड़ी भी प्रतिभाग करें, इसके लिए हमें अभी से भविष्य के खिलाड़ी चिन्हित करने होंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2036 में किस खेल के लिए आज किस आयु वर्ग के बच्चों को अगले 10 साल प्रशिक्षित करना होगा, हमें इसका प्लान करना है। इसके लिए उन्होंने प्रतियोगिताओं के माध्यम से 1000-1500 बच्चे चिन्हित कर तैयार किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को अपने जनपदों में सर्वाधिक खेला जाने वाला खेल चयनित करते हुए वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट चिह्नित किये जाने की बात कही। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, प्रशांत जोशी, विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव शैलेश बगौली, सचिन कुर्वे, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, चंद्रेश कुमार यादव, बृजेश कुमार संत, दीपक रावत, विनय शंकर पाण्डेय, विनोद कुमार सुमन, सी. रविशंकर, रणवीर सिंह चौहान एवं धीराज सिंह गर्ब्याल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

यह जहर फिजाओं में किसने घोला है?

देश की फिजाओं में नफरत, अहंकार और असुरक्षा का यह जहर किसने घोला है? बीते एक दशक में क्या सत्ता की निरंकुशता ने सभी हदें पार कर दी है? ऐसे ही तमाम सवालों का जवाब आज हम अपनी इस संपादकीय में हालिया कुछ घटनाओं की रोशनी ढूंढने का प्रयास करेंगे। यूं तो उन्नाव रेप कांड के दोषी भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर की जमानत और सजा पर दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगा दिए जाने की खबर सबसे बड़ी है लेकिन कुछ अन्य बातें या खबरें इससे भी कहीं अधिक बड़ी है। सोशल मीडिया पर मध्य प्रदेश सतना क्षेत्र का एक वीडियो वायरल हुआ। जिसमें अशोक सिंह नाम का एक व्यक्ति जो भाजपा का पार्षद है जो एक महिला की दुकान पर जाता है जिसके साथ वह पहले भी बलात्कार कर चुका था महिला रोती है गिड़गिड़ाती है और वीडियो बनाने तथा वायरल करने की धमकी देती है तो वह कहता है कि कर लो क्या करोगी मेरा कोई क्या कर लेगा हर जगह हमारी सरकार है मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है? अब करते हैं कुलदीप सिंगर रेप केस की बात। खबर यह नहीं है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने क्या फैसला दिया जिस पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगा दी गई खबर यह है कि जब पीड़िता अपनी मां के साथ जंतर-मंतर पर धरना देने पहुंची थी तो यहां कुलदीप सिंगर की एक समर्थक महिला भी साथ आई सपोर्ट में कुलदीप सेंगर लिखा पोस्टर लेकर पहुंच गई थी लोगों ने जब उससे पूछा कि अगर तुम्हारी बेटी के साथ ऐसी घटना होती क्या तब भी तुम कुलदीप सेंगर का सपोर्ट कर रही होती इस सवाल को सुनते ही यह महिला वहां से भाग खड़ी हुई। इसका नाम बरखा बताया जा रहा है जिसकी एक फोटो पीएम को राखी बांधते हुए वायरल हो रही है। यह तस्वीर की किस महानता को दर्शाती है। सेंगर की समर्थक ऐसी महिलाओं को सोचने की जरूरत है। इस महिला समर्थन की बात छोड़िए महिला पहलवानों के शोषण के आरोपी रह चुके बृजभूषण तथा साक्षी महाराज तथा अपने आप को ओबीसी नेता बताने वाले राजभर जो सेंगर कांड पर भद्दी हंसी हंसते दिखाई देते हैं इन्हें कुछ तो शर्म आनी चाहिए कि वह किस पर हंस रहे हैं। उत्तराखंड का अंकिता भंडारी कांड इसका एक अन्य उदाहरण है। जिसमें वीआईपी का नाम उजागर करने वाली महिला को तो पुलिस तलाश रही है तथा उसे जेल भिजवाने की तैयारी की जा रही है लेकिन उसके खुलासे की सत्यता की जांच करने के लिए कोई भी आगे आने को तैयार नहीं है। क्या यह अजीब बात नहीं है कि ऑडियो वीडियो के जरिए वीआईपी का नाम उजागर करने वाली महिला सारे सबूत के साथ पुलिस के सामने आने को तैयार है लेकिन सुरेश राठौड़ दो बार बुलाए जाने के बाद भी थाने नहीं जा रहे हैं। जाकर कह दे यह सब झूठ है डर किस बात का है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष इसे कभी बेटियों की इज्जत का सवाल बता कर कांग्रेसियों से माफी मांगने की बात करते हैं तो कभी इसे ब्राह्मणों का अपमान बताकर अपना दामन पाक साफ होने की कोशिश करते हैं। यह सब जानते हैं कि यह भाजपा और उसके बड़े नेताओं को बचाने का प्रयास हो रहा है अंकिता भंडारी व सूबे की बेटियों को बचाने का नहीं। दून में नॉर्थ ईस्ट के छात्र चकमा की हत्या नस्लीय कारणो से हो जाती है। बरेली में एक छात्रा के बर्थडे पार्टी में मुस्लिम युवकों को पीटा जाता है। पूरे देश भर में आखिर यह है हो क्या रहा है क्या यही नए भारत की नई तस्वीर है इससे भी बड़ा सवाल यह है कि ऐसा भारत बना कौन रहा है? सत्ता में अगर भाजपा है तो फिर वह इसे रोक क्यों नहीं पा रही है?

गोदियाल ने एंजेल चकमा व उसके भाई के साथ हुई घटना की निंदा की

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने देहरादून में एंजेल चकमा एवं उनके भाई माइकल के साथ हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने देहरादून में एंजेल चकमा एवं उनके भाई माइकल के साथ हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इस घटना को प्रदेश की बदहाल कानून व्यवस्था का जीवंत उदाहरण बताया। गोदियाल ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राजधानी देहरादून में ही आम नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो पूरे प्रदेश की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अत्यंत चिंताजनक तथ्य यह है कि घटना के तीन दिन बाद पीड़ित की रिपोर्ट दर्ज की गई, जो प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। इस प्रकार की देरी न्याय प्रक्रिया को कमजोर करती है और पीड़ितों के साथ अन्याय है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड का चरित्र कभी ऐसा नहीं रहा है। "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना को उत्तराखंड ने सदैव आत्मसात किया है। राज्य में इस तरह की घटनाएं न केवल दुर्भाग्यपूर्ण हैं, बल्कि प्रदेश की सामाजिक एकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती हैं। उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है कि यह घटना नस्लीय भेदभाव का परिणाम है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। सरकार और पुलिस को सच्चाई तक पहुंचने के लिए निष्पक्ष और गंभीर जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस जघन्य घटना की रिपोर्ट तीन दिन बाद दर्ज होना बेहद गंभीर विषय है, जिसके लिए सरकार और पुलिस प्रशासन जिम्मेदार हैं। ऐसी घटनाओं को रोकना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तरखंड के लोग विशाल हृदय के हैं और किसी को डरने की आवश्यकता नहीं है। गोदियाल ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर कानून व्यवस्था को ध्वस्त कर रही है और अपराधों पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि दोषियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयानक घृणा अपराध है। नफरत रातों-रात पैदा नहीं होती, इसे वर्षों से बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने चकमा परिवार और त्रिपुरा सहित पूरे उत्तर-पूर्व के लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि हमें गर्व है कि आप हमारे भारतीय भाई-बहन हैं।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। शराब व शराब बनाने के उपकरणों के साथ पुलिस ने एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां 31 दिसम्बर व नववर्ष के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस मुस्तैद है, पुलिस टीम द्वारा लगातार चैकिंग तथा अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। थाना पुरोला पुलिस द्वारा गत रात्रि को बर्नीगाड़, बिजोरी गांव के रास्ते से नेपाली मूल के एक व्यक्ति गंगाराम खड़गा को कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुयी है। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर उक्त व्यक्ति के विरुद्ध थाना पुरोला पर आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं गश्त के दौरान थाना पुरोला पुलिस की टीम को पुरोला, ढाकाड़ा गदेरे के पास मिले कच्ची शराब बनाने के उपकरण व लगभग 150 लीटर लाहन को पुलिस द्वारा मौके पर नष्ट किया गया।

सर्दियों में फलों का जूस पीने से हो सकते हैं ये 5 दुष्प्रभाव, जानें कैसे

सर्दियों में फलों के जूस का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, क्या आपको पता है कि सर्दियों में जूस का सेवन करने से कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। इस मौसम में फलों के जूस का सेवन करने से शरीर पर क्या असर पड़ता है, यह जानना जरूरी है। आइए आज हम आपको सर्दियों में जूस पीने से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में जानना जरूरी है।

पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं

सर्दियों में जूस पीने से पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। सर्दियों में जूस पीने से शरीर में ठंडक बनी रहती है, जिससे पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इससे आपको गैस, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपको पहले से ही पेट से जुड़ी समस्याएं हैं तो सर्दियों में जूस का सेवन करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

वजन बढ़ना

सर्दियों में जूस पीने से वजन बढ़ने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसका कारण है कि फलों में प्राकृतिक मीठापन होता है, जो कैलोरी का एक स्रोत है। अगर आप जूस के साथ-साथ अन्य उच्च कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ भी खाते हैं तो इसका आपके वजन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं तो फलों का जूस पीने से बचें।

दांतों में संवेदनशीलता होना

सर्दियों में जूस पीने से दांतों में संवेदनशीलता भी हो सकती है। इसका कारण है कि फलों में खट्टा तत्व होता है, जो दांतों की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे आपको दांतों में संवेदनशीलता और दर्द हो सकता है। अगर आपको पहले से ही दांतों में संवेदनशीलता है तो सर्दियों में जूस पीने से बचें। इसके अलावा आप दांतों की संवेदनशीलता को कम करने वाले टूथपेस्ट और माउथवॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नींद में खलल आना

फलों के जूस में प्राकृतिक मीठापन होता है, जो आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा सकती है और नींद में खलल डाल सकती है। अगर आप सोने से पहले फलों का जूस पीते हैं तो इससे आपकी नींद खराब हो सकती है। इसके अलावा फलों के जूस में कुछ ऐसे तत्व भी हो सकते हैं, जो आपको जगाए रख सकते हैं। इसलिए सोने से पहले फलों का जूस पीने से बचें।

एलर्जी होना

कुछ लोगों को फलों से एलर्जी हो सकती है। अगर आपको पहले से ही किसी खाद्य पदार्थ से एलर्जी है तो आपको फलों के जूस पीने से बचना चाहिए। फलों के जूस में मौजूद कुछ तत्व आपके शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसलिए अगर आपको पहले से ही कोई एलर्जी है तो फलों के जूस न पिएं।(आरएनएस)

कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा सही विकल्प

कॉम्पैक्ट पाउडर एक जरूरी मेकअप प्रोडक्ट है, जो चेहरे को सेट करने और चमक को कम करने में मदद करता है। यह मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने में भी सहायक होता है। सही कॉम्पैक्ट पाउडर का चयन करना जरूरी है ताकि यह आपकी त्वचा के प्रकार और जरूरतों के अनुसार हो। आइए जानते हैं कि कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदते समय सबसे पहले अपनी त्वचा के प्रकार को समझना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो मैट फिनिश वाला पाउडर चुनें, जो अतिरिक्त तेल को सोख सके। सूखी त्वचा वालों के लिए नमी देने वाला फॉर्मूला बेहतर होता है, जिससे त्वचा को नमी मिलती है। संवेदनशील त्वचा वाले लोग ऐसे पाउडर चुनें, जिनमें कम रसायन हों और जो बिना किसी जलन के आरामदायक हों।

कॉम्पैक्ट पाउडर का रंग आपके स्किन टोन से मेल खाना चाहिए ताकि यह प्राकृतिक दिखे। अपने स्किन टोन से एक या दो शेड हल्का या गहरा चुनें। इसे टेस्ट करने के लिए अपने हाथ या गर्दन पर थोड़ा-सा पाउडर लगाएं और देखें कि यह कैसे दिखता है। अगर यह आपकी त्वचा के रंग से मेल खाता है तो यही सही विकल्प होगा। इससे आपका मेकअप स्वाभाविक और सुंदर दिखेगा।

कॉम्पैक्ट पाउडर के फॉर्मूला पर भी ध्यान देना चाहिए। बाजार में मैट, चमकदार और हल्का फॉर्मूला उपलब्ध होते हैं। मैट फॉर्मूला तैलीय त्वचा वालों के लिए अच्छा होता है क्योंकि यह लंबे समय तक मैट फिनिश देता है। चमकदार फॉर्मूला सूखी त्वचा वालों को चमकदार लुक देता है, जबकि हल्का फॉर्मूला सभी प्रकार की त्वचा पर अच्छा लगता है और हल्का होता है। अपने मेकअप लुक और जरूरतों के अनुसार फॉर्मूला चुनें।

कॉम्पैक्ट पाउडर की पैकेजिंग भी महत्वपूर्ण होती है। ऐसी पैकेजिंग चुनें, जिसमें ब्रश और शीशा भी हो, जिससे आपको मेकअप टच अप करना आसान हो सके। इसके अलावा ब्रश की गुणवत्ता भी देखनी चाहिए। नरम और आरामदायक ब्रश आपके चेहरे पर पाउडर लगाने में मदद करेगा और मेकअप को समान रूप से फैलाएगा। इस तरह सही पैकेजिंग और ब्रश के चयन से आपका मेकअप लंबे समय तक टिकेगा और आप हमेशा ताजगी महसूस करेंगी। आखिरी बात, कॉम्पैक्ट पाउडर की कीमत और ब्रांड पर भी ध्यान देना चाहिए। महंगा पाउडर हमेशा अच्छा नहीं होता है इसलिए अपने बजट अनुसार सही विकल्प चुनें। (आरएनएस)

फल खाने का सही समय क्या है?

फल हमारे शरीर के लिए बहुत ही पौष्टिक और सेहतमंद कहे जा हैं। इनसे हमे ढेर सारे मिनिरल्स और विटामिन के साथ साथ कैलोरी भी मिलती है। लेकिन अधिकतर लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि फल खाने का सही समय क्या है। फल कब खाना चाहिए, खाने से पहले या खाने के बाद। इसलिए इस भ्रम को आज दूर करने की कोशिश करते हैं। चलिए जानते हैं कि फल खाने का सही समय क्या है?

खाने के पहले और बाद खाने के फायदे और नुकसान

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि फल भोजन करने से आधा से एक घंटा पहले खाए जाएं तो शरीर को बहुत पोषण देते हैं। यही फल अगर आप खाने के बाद खाते हैं तो शरीर में भोजन के साथ फलों की एक्स्ट्रा कैलोरी चली जाती है, जिससे सेहत को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। बेहतर होता है कि फलों को खाने के साथ और खाने के तुरंत बाद ना खाएं। फल खाने का सही समय सुबह, दोपहर और शाम को होता है, रात को सोने से तुरंत पहले भी फलों का सेवन नहीं करना चाहिए।

भोजन के बाद फल खाने के नुकसान

हेल्थ एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि भोजन करने के तुरंत बाद फल बिलकुल ना खाएं। दरअसल भोजन के जरिए पहले ही शरीर काफी सारी कैलोरी ले चुका होता है, वो पचाए बिना अगर आप भोजन के तुरंत बाद फल खाते हैं तो शरीर को एक्स्ट्रा कैलोरी इनटेक झेलना पड़ता है। इससे पाचन तंत्र पर दोहरा भार पड़ता है और वो इतनी सारी कैलोरी को एक साथ पचा नहीं पाता, भोजन के तुरंत बाद फल खाने से पाचन तंत्र खराब हो जाता है और पेट से जुड़ी कई दिक्कतें जैसे अपच, अफारा, एसिडिटी, मरोड़ और कब्ज आदि की संभावना पैदा हो जाती है।

खाने के तुरंत बाद फल खाने के नुकसान

देखा जाए तो फलों में फरुक्टोज होता है जो जल्दी पचता है, अगर भोजन के तुरंत बाद फल खाते हैं तो फरुक्टोज जल्दी पचता है और पेट में पहले से गया भोजन पचने में काफी दिक्कत आती है। भोजन के तुरंत बाद खाना खाने से शरीर में कई तरह के टॉक्सिन एकत्र होने की बात की जाती है। इसका असर पेट के साथ साथ त्वचा पर भी दिखता है।

फल खाने का सही समय क्या है

इस पर एक्सपर्ट कहते हैं कि फल तब खाएं जब आप कुछ देर पहले या बाद में भोजन ना कर रहे हों। यानी दिन में 1० से 12 बजे के बीच फल खाने का सही समय है। इस समय आप आराम से फल खा सकते हैं और इनका पूरा पोषण आपके शरीर को मिलेगा।

शाम के समय भी फल खाए जा सकते हैं, ये समय चार से सात बजे तक का हो सकता है। दिन में अगर आप 11 बजे के आस पास फल खाते हैं तो आपकी चटर पटर की भूख भी शांत होती है और फलों के जरिए आपको ढेर सारा फाइबर भी मिलता है जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है।

बच्चों को कब और कैसे खिलाएं शहद

हम अक्सर सुनते हैं कि छोटे बच्चों को शहद चटाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि छोटे बच्चों को शहद कब देना चाहिए और वास्तव में इसके फायदे क्या हैं।

शहद में प्राकृतिक मिठास के साथ ही कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जिससे न सिर्फ छोटे बच्चों के शरीर को ऊर्जा मिलती है बल्कि इम्युनिटी भी मजबूत होती है। यही कारण है कि अधिकांश घरों में सबसे पहले बच्चे को शहद चटाया जाता है।

बच्चों को शहद कब खिलाना चाहिए?

आमतौर पर 1 वर्ष या इससे अधिक उम्र के बच्चों को शहद चटाना चाहिए। दरअसल एक वर्ष के बाद बच्चों को शहद देने से किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या नहीं होती है और बच्चों को आहार का स्वाद भी समझ में आने लगता है।

बच्चों को शहद खिलाने के फायदे

1 वर्ष या इससे अधिक उम्र के बच्चों को समय पर शहद खिलाने से त्वचा से जुड़ी समस्याएं जैसे एक्जिमा या सोरायसिस नहीं होता है। इसके अलावा भी शहद चटाने से स्वास्थ्य को कई फायदे होते हैं।

एनर्जी देने में

शहद का सेवन करने से बच्चा तंदुरुस्त रहता है और शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती है।

सूजन दूर करने में

शहद में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो बच्चों के शरीर में सूजन की समस्या को कम करता है और आंतरिक अंगों को भी मजबूत रखता है।

एसिडिटी दूर करने में

छोटे बच्चों के पेट में अक्सर कब्ज या गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज की समस्या होती है। बच्चे को शहद खिलाने से पेट संबंधी समस्याएं और एसिडिटी दूर हो जाती है।

ओरल हेल्थ के लिए

दूध पीने के कारण कई बार बच्चों के मुंह से दुर्गंध आती है। ऐसी स्थिति में बच्चे को शहद चटाने से मुंह की दुर्गंध दूर हो जाती है। शहद में एंटी बैक्टीरियल गुण पाया जाता है जो ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है।

लिवर स्वस्थ रखने में

शहद में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है जो इम्युनिटी को बढ़ाने के साथ ही लिवर को भी सुरक्षा प्रदान करता है। बच्चे की इम्युनिटी मजबूत होने पर बीमारियों से बचाव होता है।

बच्चों को शहद कैसे दें?

बच्चों को चम्मच या निपल से कम मात्रा में शहद देना चाहिए। इससे यह जानने में आसानी होती है कि शहद से बच्चे को कोई एलर्जी हो रही है या नहीं। इसके अलावा बच्चों को निम्न तरीकों से शहद दिया जा सकता है:

ओटमील में शहद मिलाकर

जैम की जगह ब्रेड पर शहद लगाकर

दही में शहद मिलाकर

स्मूदी में शहद मिलाकर

बच्चों को शहद देते समय इन बातों का रखें ध्यान

बच्चों को हमेशा शुद्ध शहद देना चाहिए।

एलर्जी होने पर बच्चे को शहद देना बंद कर देना चाहिए। शहद में चीटियां लग गयी हों तो बच्चे को न दें।

इस तरह औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण एक वर्ष के बाद बच्चों को शहद खिलाना बेहद फायदेमंद होता है। हालांकि डॉक्टर की सलाह लेकर ही बच्चे को शहद देना चाहिए।

सर्दियों के दौरान हाथों की त्वचा को रूखा होने से बचाने के लिए बनाएं ये 5 स्क्रब

सर्दियों में मौसम में नमी कम हो जाती है, जिससे त्वचा सूखी हो जाती है, चाहे वह चेहरे की त्वचा हो या हाथ की, खासतौर से हाथों की त्वचा का सूखापन परेशानी का कारण बन सकता है क्योंकि हाथों की देखभाल करना थोड़ा मुश्किल होता है। आइए आज हम आपको ऐसे स्क्रब की विधि बताते हैं, जो आप घर पर आसानी से बना सकते हैं और इनका इस्तेमाल सूखे हाथों को ठीक करने में मदद कर सकता है।

चीनी और जैतून का तेल मिलाकर एक बेहतरीन हाथों का स्क्रब बनाया जा सकता है। इसके लिए 2 चम्मच चीनी को 1 चम्मच जैतून के तेल के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने हाथों पर हल्के हाथों से रगड़ें और 5-1० मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह स्क्रब मृत त्वचा को हटाने और हाथों को नमी देने में मदद करता है, जिससे आपके हाथ मुलायम और चमकदार बन सकते हैं।

कॉफी और नारियल के तेल का मिश्रण एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर हो सकता है। इसके लिए 2 चम्मच कॉफी पाउडर को 1 चम्मच नारियल तेल के साथ मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें और 5-1० मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। कॉफी में मौजूद कैफीन मृत त्वचा को हटाने में मदद करता है, जबकि नारियल तेल हाथों को मुलायम और चमकदार बनाता है।

समुद्री नमक में मौजूद खनिज तत्व त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं, जबकि बादाम तेल इसमें नमी बनाए रखता है। इसके लिए 2 चम्मच समुद्री नमक को 1 चम्मच बादाम तेल के साथ मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें और 5-1० मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह स्क्रब हाथों की गहराई तक सफाई करता है और उन्हें मुलायम और चमकदार बनाता है।

नींबू का रस और शहद मिलाकर एक बेहतरीन हाथों का स्क्रब बनाया जा सकता है। इसके लिए 1 चम्मच नींबू का रस लेकर उसमें थोड़ा-सा शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने हाथों पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ें। 5-1० मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। नींबू में विटामिन-सी होता है, जो त्वचा को ताजगी देता है और शहद त्वचा को मुलायम बनाता है।

एवोकाडो में मौजूद वसा त्वचा को पोषण देता है, जबकि चीनी एक्सफोलिएटर का काम करती है। इसके लिए आधा एवोकाडो लेकर उसे मैश कर लें, फिर उसमें थोड़ी चीनी मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ें। 5-1० मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इन सभी स्क्रब्स का नियमित उपयोग करके आप अपने हाथों को सर्दियों के दौरान सूखे होने से बचा सकते हैं। (आरएनएस)

पीठ दर्द और साइटिका से पाना है छुटकारा? रोजाना करें शलभासन का अभ्यास

योगासन हमारे शरीर और मन को स्वस्थ बनाने में अहम भूमिका अदा करते हैं। इन्हीं में से शलभासन एक महत्वपूर्ण योगासन है, जो शरीर को सशक्त बनाने के साथ रीढ़ की हड्डी को मजबूती प्रदान करता है। शलभासन हठयोग के सबसे प्रभावशाली आसनों में से एक है।

शलभ एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ टिड्डा होता है। दरअसल, आसन की अंतिम मुद्रा एक टिड्डा के समान होती है, जिस वजह से इसे शलभासन कहा जाता है। इसके नियमित अभ्यास करने से शरीर में स्फूर्ति आती है और कई शारीरिक समस्याओं से लाभ मिलता है। शलभासन को करने के लिए सबसे पहले योगा मेट पर पेट के बल लेट जाएं। अपने हाथों को आगे की ओर फैलाएं, हथेलियां ऊपर की ओर और पैर सीधे हों। माथा या ठोड़ी जमीन को छू रही हो। गहरी सांस लें और शरीर को स्थिर करें। सांस छोड़ते हुए दोनों पैरों को एक साथ धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। पैरों को सीधा रखें और घुटनों को न मोड़ें। इसके साथ ही हाथों को भी ऊपर की ओर उठाना है। यह कुछ सुपरमैन पोज जैसा है।

इस स्थिति में 1०-3० सेकेंड तक रुकें। सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इसके बाद में धीरे-धीरे पैरों और छाती को जमीन पर लाएं और विश्राम करें।

आयुष मंत्रालय के अनुसार शलभासन पीठ की मांसपेशियों को मजबूती देता है। कमर दर्द और साइटिका से राहत दिलाता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है और जांघों व नितंबों की चर्बी घटाने में मदद करता है, जिससे शारीरिक मजबूती और मानसिक शांति मिलती है। खासकर जो लोग घंटों बैठकर काम करते हैं उनके लिए यह फायदेमंद है।

शलभासन से उदर को भी लाभ पहुंचता है और पाचन को सहायता मिलती है।पीठ के निचले हिस्से में अधिक दर्द होने पर इसे सावधानी के साथ करना चाहिए।

हालांकि, आसन के नियमित अभ्यास से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से निजात पाया जा सकता है, लेकिन जिन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्या है या फिर कोई सर्जरी हुई है, तो वे ये योगासन करने से परहेज करें। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

हवा को शुद्ध करने के लिए घर में लगाएं ये इंडोर प्लांट्स

कोरोना वायरस के चलते कई लोग वर्क फ्रॉम होम करने को मजबूर हैं। ऐसे में बेहतर है कि हम अपने वर्क प्लेस को थोड़ा सकारात्मक बनाएं। घर में पौधे लगाने से काफी पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है और कुछ इंडोर प्लांट्स ऐसे भी होते हैं जो हवा साफ करने में मदद करते हैं। मेट्रो यूके डॉट कॉम ने नासा के वैज्ञानिकों हवाले से लिखा है कि पौधों की जड़ें और उनसे जुड़े सूक्ष्मजीव तब रोगजनक वायरस, बैक्टीरिया और कार्बनिक रसायनों को नष्ट करते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे पौधों के बारे में जो न केवल आपके घर की खूबसूरती बढ़ाएंगे बल्कि आपके घर की हवा भी शुद्ध करेंगे।।।

एलोवेरा:

एलोवेरा को घृतकुमारी भी कहते हैं। एलोवेरा की पत्तियां गूदेदार होती हैं। इसके जैल सरीखा गूदा होता है। इस पौधे में कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। इनडोर प्लांट के लिए एलोवेरा एक बेहतरीन ऑप्शन है। दरअसल, इस पौधे को बढ़ने के लिए बहुत ज्यादा पानी और सूर्य की रौशनी की आवश्यकता नहीं होती है। यह पौधा हवा में मौजूद अशुद्धियों जैसे फार्मल्डिहाइड (मेथेनैल), बेंजीन और कार्बन मोनो ऑक्साइड को दूर करता है। इसके गूदे का इस्तेमाल सौंदर्य प्रसाधनों (मेकअप प्रोडक्ट्स) के रूप में भी किया जाता है।

स्नेक प्लांट:

स्नेक प्लांट को मदर-इन-लॉ-टंग भी कहा जाता है। इस पौधे को घर में ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां हलकी नमी बनी रहती है। दरअसल, इस पौधों को बढ़ने के लिए नमी की जरूरत होती है। यह पौधा लिली फैमिली का है। नासा की एक स्टडी यह पौधा सिक बिल्डिंग सिंड्रोम के लिए जिम्मेदार जहरीले तत्वों को फ़िल्टर कर एयर प्यूरीफायर तौर पर काम करता है।

स्पाइडर प्लांट:

स्पाइडर प्लांट भी एक ऐसा पौधा है जो एयर प्यूरीफायर की तरह काम करता है।

यह प्लांट हवा से जाइलीन, बेंजीन, फार्मल्डिहाइड और कार्बन मोनो ऑक्साइड जैसे हानिकारक तत्वों को फिल्टर करता है। सबसे अच्छी बात है कि इस पौधे की देखभाल में ज्यादा मेहनत की जरूरत भी नहीं होती है। इसलिए वर्किंग लोग भी इसे बड़े आराम से मैनेज कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -091

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

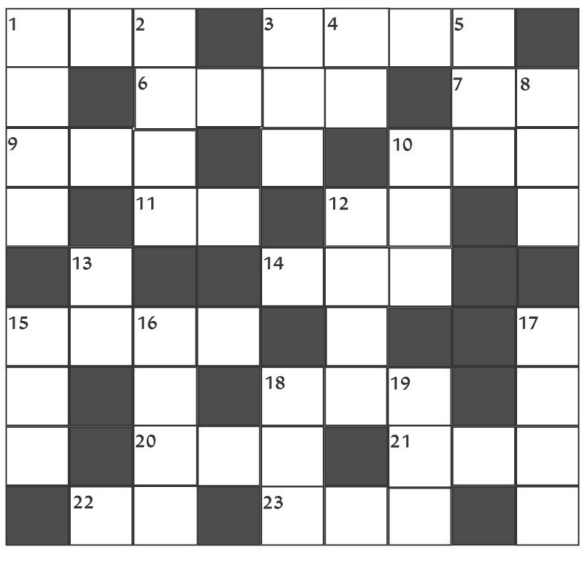

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 90 का हल

ज	ल	3	आ	वा	जा	ही	6	4
मा		खू	ब	8	दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग	10	ल	क्ष्य
12	न	ख		त	र	ल		
12	वी	रा	न		15	च	ट	क
17	र	ब	18	आ	ज	क	ल	
	17	21	आ	ग	19	दा	ना	
23	अ	ग	र	म	ग	र	23	क्रो
भा	भी		ती	न	26		व	ध

फिल्म टॉक्सिक से कियारा आडवाणी का पोस्टर जारी

यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। मेकर्स फिल्म के किरदारों से पर्दा हटाना शुरू कर दिया है। फिल्ममेकर्स ने कियारा आडवाणी का फर्स्ट लुक जारी किया है, जिससे इस बात की झलक मिलती है कि वह फिल्म में किस तरह का किरदार निभाने वाली हैं।

कियारा आडवाणी की आगामी फिल्म टॉक्सिक में उनके किरदार का फर्स्ट लुक रविवार सुबह जारी किया गया। फिल्म के लीड एक्टर यश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कियारा के किरदार का पोस्टर साझा किया है और उनके किरदार का परिचय देते हुए कैप्शन में लिखा है, कियारा आडवाणी को नादिया के रूप में पेश करते हुए। ए टॉक्सिक फेयरीटेल फॉर ग्रोनअप्स।

पोस्टर में कियारा आडवाणी की लुक की बात करें तो पोस्टर में कियारा एक ब्लैक, ऑफ-शोल्डर गाउन में नजर आ रही हैं। वह डांस फ्लोर पर स्पॉटलाइट में खड़ी हैं, और कैमरे से दूर गहरी सोच में डूबी हुई नजर आ रही हैं। उनके आंखों से आंसू बहते हुए दिख रहे हैं। पोस्टर में कियारा का लुक देखकर फैंस उनकी तुलना टिम बर्टन की फिल्मों के किरदारों और यहां तक कि डीसी कैरेक्टर हार्ले क्विन से भी कर रहे हैं। एक कमेंट में लिखा था, वह लेडी जोकर जैसी दिख रही हैं। दूसरे ने कहा, नादिया के रूप में कियारा पहले से ही बहुत पावरफुल लग रही हैं। कियारा का फर्स्ट लुक देख उनके स्टार पति सिद्धार्थ मल्होत्रा खुद को तारीफ करने से रोक नहीं पाए। सिद्धार्थ ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कियारा का पोस्टर साझा करते हुए लिखा है, मुझे पता है कि इसके पीछे कितनी मेहनत लगी है। इसके लिए बहुत एक्साइटेड हूं कियारा। लव यू कियारा। टॉक्सिक को गीथू मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में यश और कियारा अहम भूमिका में नजर आएंगे। मां बनने के बाद कियारा की यह पहली फिल्म है। तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा होगें। यह फिल्म एक साथ कन्नड़ और इंग्लिश दोनों भाषाओं में शूट की गई है और 19 मार्च, 2026 को उगादी के मौके पर छह भाषाओं में रिलीज होने वाली है। जिन्हें नहीं पता उन्हें बता दें, यश की टॉक्सिक बॉक्स ऑफिस पर आदित्य धर की निर्देशित फिल्म धुरंधर 2 से क्लेश होगी। रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। वहीं, 20 मार्च 2026 को संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर रिलीज होगी।

पायल गेमिंग के सपोर्ट में आईं अंजलि अरोड़ा!

इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर पायल गेमिंग इन दिनों कथित एमएमएस के चलते सुर्खियों में हैं। बताया जाता है कि वायरल एमएमएस वीडियो में पायल गेमिंग हैं। हालांकि उन्होंने दावा किया है कि यह एमएमएस उनका नहीं है। इस मामले पर अब एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा की प्रतिक्रिया सामने आई है। अंजलि अरोड़ा ने अपने साथ हुए इसी तरह के एक मामले को याद किया है। उनके मुताबिक ऐसे झूठ का दर्द लड़कियां वर्षों तक झेलती हैं जबकि इसे फैलाने वाले इसके बारे में नहीं सोचते हैं।

पायल गेमिंग के मामले को लेकर अंजलि अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। उन्होंने लिखा तीन साल पहले मैंने एक फेक एमएमएस वायरल होने का दर्द झेला था। वही चीजें आज पायल के साथ होता देख वह दर्द ताजा हो गया है। लोगों को एहसास नहीं कि उनकी प्रतिक्रिया कितनी नुकसान पहुंचाती है। उनके लिए यह एक मिनट का मनोरंजन है, लेकिन हमारे लिए यह वर्षों का दर्द बन जाता है। झूठे विवादों के चलते मुझे कई प्रोजेक्ट से निकाल दिया गया। आज भी मुझे इसका नुकसान झेलना पड़ रहा है। अभिनेत्री ने आगे लिखा अभी भी मुझे मेरे कमेंट सेक्शन में दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। लोग गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वह यह नहीं सोचते कि मुझ पर इसका क्या असर पड़ेगा। यह परेशान करने वाली बात है कि लोग झूठी चीजों पर तुरंत यकीन कर लेते हैं। ऐसी मानसिकता बहुत खराब होती है। इसे सहा नहीं जा सकता। कोई भी महिला बिना आधार के झूठ झेलने की हकदार नहीं है।

अंजलि अरोड़ा सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। वह कई म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं। वह रियलिटी शो लॉकअप का हिस्सा रही हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 13 मिलियन फॉलोवर्स हैं। कच्चा बादाम वाला उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिससे वह मशहूर हुईं। इसके बाद उनका कथित एमएमएस वायरल हुआ। पायल गेमिंग का असली नाम पायल धरे है। वह गेमिंग वीडियो के अलावा लाइफस्टाइल कंटेंट बनाने के लिए जानी जाती हैं। कथित एमएमएस के वायरल होने पर उन्होंने कहा मैं ये बात साफ-साफ कहना चाहती हूं कि जो उस वीडियो में दिखाई दे रही है वो मैं नहीं हूं। उन्होंने इसे लेकर कानूनी लड़ाई लड़ने की भी बात कही है।

मैं इंडस्ट्री में डांस या रोमांस करने नहीं आई हूं : सिद्धि इदनानी

तमिल सिनेमा में इन दिनों फिल्म रेट्टा थाला की खूब चर्चा हो रही है। फिल्म ने अपने दमदार ट्रेलर से लोगों का ध्यान खींचा। इस फिल्म का निर्देशन कृष्ण थिरुकुमारन कर रहे हैं। इसमें अभिनेता अरुण विजय और अभिनेत्री सिद्धि इदनानी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में अपने किरदार को लेकर सिद्धि इदनानी ने कहा है कि वह सिर्फ ग्लैमर के लिए नहीं, बल्कि दमदार किरदार निभाने के लिए सिनेमा में आई हैं।

रेट्टा थाला के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेत्री सिद्धि इदनानी ने अपने किरदार और फिल्मों में महिलाओं की भूमिका को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैं उन अभिनेत्रियों में से नहीं हूं, जो केवल स्क्रीन पर आकर डांस या रोमांस करें और फिर कहानी से गायब हो जाएं। मेरा मानना है कि महिलाओं के किरदार भी कहानी को आगे बढ़ाने की ताकत रखते हैं और मेरे किरदार को भी उसी अंदाज में दिखाया जाना चाहिए।

रेट्टा थाला में अपने किरदार को लेकर सिद्धि इदनानी ने बताया कि उनका किरदार आंद्रे नाम की एक मजबूत महिला का है। यह किरदार सिर्फ हीरो की साथी का नहीं है, बल्कि फिल्म की कहानी को नई दिशा देने में भी अहम भूमिका निभाता है। आंद्रे का एक मकसद है और वह कई मायनों में फिल्म की ड्राइविंग फोर्स है। ऐसे रोल देने के लिए मैं निर्देशक कृष्ण थिरुकुमारन का आभार व्यक्त करना चाहती हूं, क्योंकि इस तरह का किरदार मिलना किसी भी अभिनेत्री के लिए गर्व की बात होती है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, आंद्रे एक मजबूत सोच वाली महिला है, जो किसी भी परिस्थिति में अपने फैसलों पर डटी रहती है। वह हालात से समझौता नहीं करती और अपने आत्मसम्मान और उद्देश्य के लिए खड़ी रहती है। इस किरदार को निभाते हुए मैंने भी यही सीखा कि जिंदगी में अपने विचारों और मूल्यों पर टिके रहना कितना जरूरी है। इसमें जबरदस्त एक्शन, इमोशनल ड्रामा, रोमांस और बदले की कहानी की झलक देखने को मिलती है, जो दर्शकों का मनोरंजन करेगी।इससे पहले अभिनेता अरुण विजय ने फिल्म को लेकर बताया था कि रेट्टा थाला एक एक्शन थ्रिलर है, जो इंसान के भीतर मौजूद अच्छे और बुरे पहलुओं को दिखाती है। फिल्म में यह देखने को मिलेगा कि जब किसी व्यक्ति के अंदर छिपे ग्रे शेड्स एक साथ बाहर आने लगते हैं, तो हालात कैसे बदलते हैं।

अरुण विजय ने बताया कि वह इस फिल्म में दो अलग-अलग किरदार निभा रहे हैं। एक किरदार का नाम मालपे उपेन्द्र है, जबकि दूसरे का नाम काली है। दोनों किरदारों की सोच और स्वभाव अलग-अलग हैं, जो कहानी को और भी रोचक बनाते हैं। फिल्म में अरुण विजय और सिद्धि इदनानी के अलावा, तान्या रविचंद्रन, योगी सामी, जॉन विजय, हरीश पेरादि और बालाजी मुरुगदास जैसे नाम शामिल हैं।

नेहा मलिक के सिजलिंग लुक को देखकर फैंस का छूटा पसीना

नेहा मलिक भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्री में से एक हैं। उन्होंने अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। इन तस्वीरों में नेहा मलिक बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इस लेटेस्ट लुक में नेहा ने कई सिजलिंग पोज दिए। नेहा का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। नेहा मलिक ने इस शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा गुलाबी रंग में सुंदर और शक्तिशाली।

भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट एंड बोल्ड क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

बता दें कि एक्ट्रेस नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

भाजपा नेहरू विवाद को नहीं छोड़ने वाली

अजीत द्विवेदी

यह इतिहास से ज्यादा राजनीति का सवाल है भाजपा की नजर में पंडित जवाहरलाल नेहरू कितने बड़े नेता थे? भाजपा कभी उनको इतना बडा नेता बताती है जैसे आजादी से पहले और बाद के सारे फैसले उन्होंने अकेले किए तो कभी इतना छोटा नेता बताती है कि वे अपने लिए एक आदमी का समर्थन नहीं जुटा पाए! एक तरफ भारतीय जनता पार्टी बताती है कि नेहरू इतने बड़े नेता थे कि उन्होंने देश का विभाजन कराया, वोट चोरी' करके देश के पहले प्रधानमंत्री बने, संविधान में तमाम किस्म की गड़बड़ियां कराईं, भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं बनने दिया आदि आदि। लेकिन दूसरी ओर वही भाजपा कहती है कि नेहरू की इतनी हैसियत नहीं थी कि कांग्रेस की कोई प्रांतीय कमेटी अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव करे।

सवाल है कि जब नेहरू में इतनी भी ताकत नहीं थी कि कांग्रेस की 15 प्रांतीय कमेटियों में से किसी एक कमेटी से अपने नाम की सिफारिश करा सकें और सरदार वल्लभ भाई पटेल इतने शक्तिशाली थे कि 15 में से 12 कमेटियों ने उनके नाम की सिफारिश की तो देश के विभाजन का फैसले नेहरू ने कैसे कराया? अगर सबसे शक्तिशाली महात्मा गांधी और सरदार पटेल थे तो इसका मतलब यह है कि सारे फैसले उन दोनों ने कराए! भाजपा क्यों नहीं कहती है कि देश के विभाजन से लेकर भारत के हिंदू राष्ट्र नहीं बनने तक और संविधान की गड़बड़ियों से लेकर कश्मीर के विवाद तक सबके लिए जिम्मेदार गांधी और पटेल थे, जो कांग्रेस और देश के सबसे बड़े नेता भी थे?

तभी आजादी से ठीक पहले और तुरंत बाद पंडित नेहरू की क्या स्थिति थी इसको समझने के लिए तीन कहानियां सुनने की जरुरत है-

पहली कहानी भाजपा को बहुत पसंद है। संसद में भी वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुनाई थी और कहा था कि वोट चोरी' करके नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे। वह कहानी असल में ऐसी है कि 194० से लेकर 1946 तक मौलाना अबुल कलाम आजाद कांग्रेस के अध्यक्ष थे। दूसरे विश्वयुद्ध की वजह से कांग्रेस के अधिवेशन अनियमित हुए और मौलाना आजाद अध्यक्ष बने रहे थे। 1946 में जब कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का फैसला हुआ तो उस समय तक तय हो गया था कि जो कांग्रेस का अध्यक्ष होगा वह अंतरिम सरकार का प्रमुख होगा। उस समय तीन दावेदार थे सरदार पटेल, आचार्य जेबी कृपलानी और पंडित नेहरू। इनके अलावा मौलाना आजादी भी अध्यक्ष बने रहना चाहते थे। हालांकि उनको चिट्ठी लिख कर महात्मा गांधी ने कह दिया था कि वे उनकी निरंतरता के पक्ष में नहीं हैं। महात्मा गांधी चाहते थे कि नेहरू अध्यक्ष बनें। लेकिन 15 में से 12 प्रांतीय कमेटियों ने सरदार पटेल का नाम भेजा।

संक्षेप में कहानी यह है कि गांधी की इच्छा का सम्मान करते हुए सरदार पटेल और कृपलानी दोनों मैदान से हटे और नेहरू कांग्रेस के अध्यक्ष बने। अध्यक्ष बनने के एक महीने के बाद वायसराय ने उनको अंतरिम सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। जाहिर है नेहरू अपनी ताकत से अध्यक्ष नहीं बने थे और यह भी जाहिर है कि अगर कोई वोट चोरी' हुई थी तो वह उन्होंने नहीं की थी। वह तो गांधी थे, जिन्होंने प्रांतीय कमेटियों की सिफारिशों को रद्दी में डाला और नेहरू को अध्यक्ष बनवाया। तभी सवाल है कि प्रधानमंत्री हों या केंद्रीय गृह मंत्री या दूसरे भाजपा नेता वे इस बात को इसी रूप में क्यों नहीं कहते हैं? वे गांधी को जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराते हैं?

दूसरी कहानी आजादी के बाद 195० के कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की है। ध्यान रहे अंतरिम प्रधानमंत्री बनने के बाद नेहरू ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और चूंकि सरदार पटेल उप प्रधानमंत्री बने थे तो अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दो साल आचार्य जेबी कृपलानी ने संभाली। उसके बाद दो साल पट्टाभि सीतारमैया कांग्रेस अध्यक्ष रहे। फिर 195० का चुनाव आया, जो आजादी के बाद कांग्रेस अध्यक्ष का सबसे चर्चित चुनाव रहा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने आचार्य जेबी कृपलानी को अपने उम्मीदवार के तौर पर पेश किया और दूसरी ओर राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन उम्मीदवार बन गए। उनको सरदार पटेल का समर्थन था। घमासान मुकाबले में राजर्षि टंडन ने आचार्य कृपलानी को हरा दिया। यानी सरदार पटेल के उम्मीदवार ने पंडित नेहरू के उम्मीदवार को हरा दिया।

इसका मतलब है कि चार साल तक प्रधानमंत्री रहने के बावजूद कांग्रेस में नेहरू की ऐसी हैसियत नहीं बनी थी कि वे सरदार पटेल से जीत सकें। अब सोचें इस चार साल की अवधि के सारे फैसलों के लिए भी अकेले नेहरू को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जबकि उस अवधि में भी सबसे ताकतवर पटेल थे। उनको देशी रियासतों के विलय का श्रेय दिया जाता है। लेकिन बाकी गड़बड़ियों का ठीकरा नेहरू के सर फोड़ा जाता है!

तीसरी कहानी देश के पहले और दूसरे राष्ट्रपति के चुनाव की है। संविधान सभा के अध्यक्ष के नाते डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद कार्यकारी राष्ट्रपति थे। आजाद भारत में राष्ट्रपति का पहला चुनाव फरवरी 1952 में हुआ। तब तक सरदार पटेल का निधन हो चुका था। प्रधानमंत्री नेहरू की पसंद चक्रवर्ती सी राजगोपालाचारी थे। वे चाहते थे कि दक्षिण भारत से किसी नेता को राष्ट्रपति बनाया जाए। उनको लग रहा था कि दक्षिण भारत के नेताओं का समर्थन राजगोलाचारी के नाम पर मिलेगा। लेकिन नेहरू उनके लिए समर्थन नहीं जुटा सके और उनकी इच्छा के विरुध राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रपति बने। दूसरी बार 1957 में भी नेहरू ने उनकी जगह उप राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन को राष्ट्रपति बनाना चाहा लेकिन तब भी कामयाब नहीं हुए और राजेंद्र बाबू दूसरी बार राष्ट्रपति बने। सोचें, 1957 में 1० साल तक प्रधानमंत्री रहने के बाद भी नेहरू इतने ताकतवर नहीं थे कि अपनी पसंद से देश का राष्ट्रपति बनवा सकें!

ये तीनों कहानियां सही हैं और भाजपा को बहुत पसंद हैं। भाजपा के नेता अलग अलग कार्यक्रमों में इसमें खूब मिर्च मसाला लगा कर सुनाते भी हैं। अब सवाल है कि जब नेहरू में इतनी ताकत नहीं थी कि वे कांग्रेस की 15 कमेटियों में से एक भी समर्थन अपने लिए जुटा सकें तो फिर उन्होंने देश विभाजन का फैसला कैसे करवा दिया? देश विभाजन का फैसला भी तो उन लोगों ने करवाया होगा, जो ताकतवर थे, जिनको 12 कमेटियों का समर्थन मिला था या जिन्होंने 12 कमेटियों के समर्थन के बावजूद पटेल को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया? सबसे ताकतवर तो गांधी और पटेल थे, फिर देश विभाजन का ठीकरा उनके सर क्यों नहीं फूटता है? वहां क्यों या तो कांग्रेस कहा जाता है या नेहरू का नाम लिया जाता है? सोचें, सरदार पटेल ने चाह दिया तो नेहरू के उम्मीदवार जेबी कृपलानी को अध्यक्ष नहीं बनने दिया। उनको राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के हाथों हरवा दिया। फिर भारत के हिंदू राष्ट्र नहीं बनने या हिंदी स्वीकार नहीं किए जाने या कश्मीर मसला उलझने या दूसरे विवादों के लिए अकेले नेहरू कैसे जिम्मेदार हैं?

जो सबसे ज्यादा ताकतवर कांग्रेस नेता था उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं है? नेहरू अपनी पसंद से राष्ट्रपति नहीं बनवा सकते थे लेकिन भाजपा कहती है कि सारे फैसले वे कर रहे थे! क्या आज यह कल्पना की जा सकती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिसको चाहें उसको हरा कर कोई दूसरा व्यक्ति भाजपा का अध्यक्ष बन जाए या प्रधानमंत्री मोदी जिसको राष्ट्रपति बनाना चाहें उसकी बजाय कोई दूसरा बन जाए? इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। लेकिन आजादी से तुरंत बाद ऐसा सच में हुआ था कि प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू अपनी पसंद का कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनवा पाए और अपनी पसंद का राष्ट्रपति नहीं बनवा पाए। जाहिर है भाजपा आजादी से ठीक पहले या उसके ठीक बाद जाने अनजाने में हुई तमाम गड़बड़ियों का ठीकरा जान बूझकर, एक रणनीति के तहत नेहरू पर फोड़ती है और तमाम अच्छी बातों का श्रेय सरदार पटेल को देती है। असल में इसका तथ्य और तर्क से कोई लेना देना नहीं होता है। वह नेहरू विरोध के सहारे कांग्रेस विरोध की राजनीति करती है। जब तक नेहरू गांधी परिवार कांग्रेस के शीर्ष पर रहेगा, तब तक यह चलता रहेगा। प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद में कहा कि भाजपा समय तय करके एक बार में नेहरू के बारे में चर्चा कर ले और उसके बाद असली मुद्दों पर चर्चा करे। लेकिन चाहे वे जितना कहें भाजपा इस विवाद को नहीं छोड़ने वाली है। वह किसी भी गड़बड़ी के लिए कांग्रेस के सामूहिक नेतृत्व का नाम नहीं लेगी, गांधी और पटेल का नाम तो कतई नहीं लेगी।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.091

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.90 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

आनंद मठ की आत्मकथा और बंगाली अस्मिता का प्रश्न

अजय दीक्षित

बंगाल के तत्कालीन मूर्धन्य साहित्यकार और विद्वान स्व श्री बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1882 में अपनी पुस्तक आनंद मठ में बंगाल में 177०और 1774 के मध्य विकराल ब भीषण अकाल और उसमें ब्रिटिश साम्राज्य की भूमिका का चित्रण किया है और उससे अवतरित हुआ है बंदे मातरम् जो बाद में आजादी के दीवानों और क्रांतिकारी लोगों का उदघोष बन गया था।

आनंद मठ नामक पुस्तक में महेंद्र और जीवानंद दो पात्र हैं और वे सत्यानंद के संन्यासी शिष्य हैं। महेंद्र कल्याणी नामक महिला का पति है। घटना बंगाल के मुर्शिदाबाद में पदचिन्ह गांव की है। कल्याणी के बच्चे भूख से बिलखने लगते तो महेंद्र कल्याणी से गांव छोड़कर चले जाने की कहता है। चुकी बंगाल में भयानक अकाल था तो पिंडारी, डकैत हमला कर देते हैं और कल्याणी के बच्चों मार पीट करहो हल्ला मचा देते हैं। कल्याणी एक नदी के किनारे शरण लेती है। लेकिन पिंडारी मानते नहीं हैतब संन्यासियों की टोली निकल कर जा रही थी उसमें एक सन्यासी का नाम जीवानंद है वह कल्याणी को बचाता हैये सब आनंद मठ के संन्यासी शिष्य थे।

इस महान उपन्यास के रचयिता श्री बंकिम चंद्र चटर्जी ने उस समय के दृश्य का वर्णन किया है। जीवानंद महेंद्र को सुजलाम सफलामा मलयाज शीतलाम सुनता है और कल्याणी की तुलना मातृ भूमि से करता है जो अपने बच्चों को किसी तरह बचाना चाहती है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1882 में यह कृति लिखी थी।

तत्कालीन समय में बंगाल से आजादी के मतवालों की आवाज आने लगी थी और ब्रिटिश सरकार ने भारत को ईस्ट इंडिया कंपनी से ले कर प्रत्यक्ष शासन कायम कर लिया था। तत्कालीन वाइस राय वॉरेन हेस्टिंग ने भारत में शिक्षा, अनुसंधान, पुलिस न्यायालय, आईपीसी सीआरपीसी में अपने मुताबिक परिवर्तन कर दिए थे लॉर्ड मैकाले, लॉर्ड कार्नवालिस, अपने अनुसार नियम, कायदे कानून व्यवस्था, राजस्व,बना रहे थे। संपूर्ण भारत में प्रिंसिली स्टेट को ब्रिटिश राज्य में मिलाया जा रहा था।

यही वह दौर था जब इटवा के कलेक्टर ए यू हयूम ने विश्व बिरादरी को दिखाने के लिए कांग्रेस की स्थापना की। तत्कालीन समय में कांग्रेस की कमान दादा भाई नौरोजी के हाथ में थी । तत्कालीन समय में महात्मा गांधी साउथ अफ्रीका में थे। बाल गंगा धर तिलक, विपिन चंद्र पाल, विधान चन्द्र राय कांग्रेस को समझते थे।

बंदे मातरम् सबसे पहले संगीतबद्ध किया राष्ट्र कवि रविन्द्र नाथ टैगोर ने और 1896 कांग्रेस अधिवेशन में गाया गया।

रविन्द्र नाथ टैगोर की प प्रतिशिती सुमित्रा देवी ने इसे गया। लेकिन इस गीत को दिशा दी अमर शहीद खुदीराम बोस ने जब उन्हें मुजफ्फरपुर जेल में फांसी दी गई तो उन्होंने कहा बंदे मातरम्बाद में यह गीत क्रांतिकारियों का संदेश बन गया।

बंदे मातरम् पर ब्रिटिश ने प्रतिबंध लगा दिया। बंदे मातरम् बोल ने वालों को ब्रिटिश पुलिस पकड़ लेती थी और सारे आम कोड़े लगाए जाते थे। आनंद मठ कोई साधारण उपन्यास नहीं है यह उस समय आजादी का पैगाम था ।

पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनावों से ठीक पहले इस बंदे मातरम् को मुद्दा बनाया है यह कोई सहज घटना नहीं है। आज भी पश्चिमी बंगाल में बंदे मातरम् के प्रति लोगों का सम्मान है।

राज्य में खनन सुधार पर केंद्र की मोहरः सीएम

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने खनन सुधारों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। उल्लेखनीय प्रदर्शन और लगातार सुधारों के चलते केंद्र सरकार ने उत्तराखण्ड को 200 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि से पुरस्कृत किया है।

धामी सरकार ने खनन क्षेत्र में बड़े सुधार किए हैं। इनमें ई-नीलामी प्रणाली, सेटेलाइट आधारित निगरानी, सख्त अनुपालन व्यवस्था, अवैध खनन पर रोक को आधुनिक माइनिंग सर्विलांस सिस्टम का सुदृढ़ीकरण मुख्य है। साथ ही खनन लॉट के आवंटन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। इन खनन सुधारों के परिणामस्वरूप आज खनन क्षेत्र प्रदेश सरकार की आय का प्रमुख स्रोत बन गया है। खनन राजस्व में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। 300 करोड़ के राजस्व 1200 करोड़ रूपये तक पहुंच गया है। खनन सुधारों में शानदार प्रदर्शन के लिए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए "पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना के अंतर्गत उत्तराखंड को 200 करोड़ रूपये की विशेष सहायता (ऋण) स्वीकृत की है। यह धनराशि माइनर मिनरल्स सुधारों और स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स से जुड़े सुधार कार्यों को पूरा करने के लिए दी गई है।

कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंडावर रोड बिजनौर निवासी शिवांगी चंद ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई विभोर चंद अपनी मोटरसाईकिल से झाझरा से विकासनगर की तरफ जा रहा था जब वह झाझरा चौकी से थोडी दूर पहुंचा तभी सामने से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने होटल के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पंजाबी कालोनी निवासी मौहम्मद शावेज ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से हरिद्वार रोड स्थित एक होटल में गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल होटल के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दुकान का ताला तोड मोबाइल फोन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान का ताला तोड वहां से मोबाइल फोन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैनाल रोड किशनपुर निवासी अमन कुमार ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी आईटी पार्क में मोबाइल की दुकान है। आज जब वह दुकान में पहुंचा तो ताला टूटा हुआ था अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से सात मोबाइल फोन चोरी करके ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्वर्णकार व्यापारी सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। जिला स्वर्णकार संघ व उत्तराखण्ड स्वर्णकार संघ के द्वारा स्वर्णकार व्यापारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

आज यहां निरंजनपुर मंडी स्थित एक होटल में जिला स्वर्णकार संघ एवं उत्तराखण्ड स्वर्णकार संघ के द्वारा स्वर्णकार व्यापारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मण्डल की वैबसाईड को भी लॉच किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल मेयर सौरभ थपलियाल, विधायक राजपुर खजान दास, श्रीमती सविता कपूर, बार काउंसिल ऑफ उत्तराखण्ड के पूर्व अध्यक्ष पृथ्वी राज चौहान, राज्य मंत्री विश्वास डाबर, विधायक धनोल्टी प्रीतम सिंह, पिछडा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशोक वर्मा मौजूद रहे।

अंकिता हत्याकांड को लेकर कांग्रेसी पहुंचे अपर पुलिस महानिदेशक के पास

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमण्डल ने आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में उत्तराखण्ड के अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था वी. मुरूगेशन से मुलाकात कर अंकिता भंडारी हत्याकांड के विभिन्न बिन्दुओं पर ज्ञापन प्रेषित कर उनका ध्यान आकर्षित करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की है।

अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था को सौंपे गये ज्ञापन में कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि सर्व विदित है कि अंकिता भडारी हत्याकांड में भाजपा के पूर्व विधायक की पत्नी द्वारा अपने पूर्व विधायक पति एवं स्वयं के बीच हुई वार्तालाप को सोशल मीडिया पर जारी किया गया है। जिसमें तथाकथित पूर्व विधायक यह कहते हुए सुने जा रहे हैं कि प्रश्नगत प्रकरण में कथित वी.आइ.पी. दुष्यन्त कुमार गौतम उर्फ गट्टू है। तद्दोपरान्त आपके द्वारा राज्य सरकार/पुलिस विभाग की ओर से समाचार चैनलों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो जारी कर दिया गया स्पष्टीकरण मिला। हमारा स्पष्ट मत है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड प्रकरण में कोई न कोई व्यक्ति कथित वी.आई.पी. अवश्य था, जिसकी इच्छापूर्ति न करने की ऐवज में अंकिता भंडारी की निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि भाजपा के पूर्व विधायक द्वारा ताजा रहस्योद्घाटन एवं आपके द्वारा सरकार और पुलिस विभाग की ओर से जारी स्पष्टीकरण के मद्देनजर आपसे अपेक्षा है कि कृपया निम्न प्रश्नगत बिन्दुओं पर भी स्पष्टीकरण दें।

उन्होने कहा कि अंकिता भंडारी का पार्थिव शरीर नहर से निकालने की अगली रात को वनन्तरा रिसॉर्ट पर बुल्डोजर किसके आदेश पर चलवाया गया? राज्य सरकार द्वारा गठित एस.आई. टी. ने यदि बुल्डोजर चलाने वालों के बयान दर्ज किये हों, तो उत्तराखंड के नागरिकों को यह भी बताने का कष्ट करें कि एस.आई.टी. की रिपोर्ट में उपरोक्त पैरा-1 के सम्बन्ध में क्या तथ्य सामने आये? क्या जांच ऐजेंसी या एस.आई. टी. इस तथ्य से विज्ञ है कि रात्रि 2.30 बजे अंकिता भंडारी के वनन्तरा रिसॉर्ट स्थित निवास कक्ष को बुल्डोजर द्वारा ध्वस्त करने के बाद मुख्यमंत्री द्वारा यह स्वीकार किया गया कि उनके द्वारा रिसॉर्ट का ध्वस्तीकरण कराया गया है, जिसका उनके द्वारा श्रेय लेने की कोशिश की गई? क्या एस.आई.टी. द्वारा अपनी जांच में मुख्यमंत्री की इस बात का उल्लेख किया गया है? क्या एस.आई.टी. ने अंकिता भंडारी एवं उसके मित्र के बीच हुई व्हाट्सअप बातचीत संदेशों की गहनता से जांच की गई जिसमें अंकिता के द्वारा स्पष्ट रूप से यह बताया गया था कि किसी वी.आई.पी. को विशेष सेवायें देने का उस पर भारी दबाव है? आपके द्वारा दिये गये स्पष्टीकरण में बताया गया कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की सी.बी. आई. जांच इसलिए संभव नहीं है कि न्यायालय द्वारा इसे अमान्य कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में आपसे स्पष्टीकरण की अपेक्षा है कि सभी पक्षकारों द्वारा सी.बी.आई. जांच की मांग के उपरान्त सरकार द्वारा इसका विरोध क्यों किया जा रहा है?

मकान का ताला तोड लाखों के जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से लाखों के जेवरात व लैपटॉप चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहित नगर निवासी हीरा देवी ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से लाखों के जेवरात व लैपटॉप गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वीआईपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांग्रेस ने फूंका भाजपा सरकार का पुतला

संवाददाता

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में संलिप्त वीआईपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ एस्लेहाल देहरादून में जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा सरकार का पुतला दहन किया गया।

आज यहां कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष करन घाघट के नेतृत्व में उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी हत्याकांड में संलिप्त वीआईपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ एस्लेहाल देहरादून में जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा सरकार का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मदन लाल ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार प्रभावशाली और वीआईपी आरोपियों को बचाने का काम कर रही है, जिससे जनता का न्याय व्यवस्था से विश्वास उठता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक अंकिता भंडारी हत्याकांड में शामिल सभी वीआईपी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक कांग्रेस पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने राज्य सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही वीआईपी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर तक उग्र एवं स्वतंत्र विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष करन घाघट, महासचिव धर्मपाल घाघट, प्रदेश उपाध्यक्ष नोहर सिंह, महासचिव सोनू गहलोत, उपाध्यक्ष मान सिंह, चन्द्रपाल, हेमन्त उप्रेती, ललित भद्री, सुशीला कपूर, आकाष, गीता, नितिन, रोहित, भोला सिंह, अशोक, बिरेन्द्र सिंह, बसीम अकरम, दानीश, संजय अनिल, अर्जुन गहलोत, विवेक, आकाश आदि उपस्थित थे।

राज्य में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर करें सख्त कार्रवाई: धामी

संवाददाता

देहरादून। 30 दिसम्बर 2025 से 05 जनवरी 2026 तक प्रदेश में यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था के साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि पर्यटकों और आगन्तुकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस द्वारा नियमित रात्रिकालीन गश्त की जाए। पुलिस के उच्चाधिकारी भी कानून व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करें। प्रदेश में कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में नव वर्ष 2026 के अवसर पर आवागमन को सुगम बनाने, पर्यटकों की सुविधा, यातायात प्रबंधन एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि राज्य में कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखा जाए। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में आपराधिक कृत्य करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। राज्य के प्रमुख पर्यटक स्थलों, अधिक आवागमन तथा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में समुचित सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं। नव वर्ष के अवसर पर सभी जनपदों में यातायात प्रबंधन के साथ मूलभूत सुविधाओं तथा पार्किंग की समुचित व्यवस्था, वाहनों के अनियंत्रित संचालन तथा शराब पीकर गाड़ी चलाने पर विशेष निगरानी के साथ ही शराब के ठेकों के आसपास भी सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं।

❑नववर्ष के दृष्टिगत पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा और सुगमता को लेकर पुख्ता व्यवस्थाएं हों

❑प्रदेश में स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्ति एवं शीतकालीन यात्रा प्रबंधन के लिए ठोस व्यवस्था के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि देवभूमि उत्तराखण्ड में आने वाले सभी पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधा एवं आतिथ्य का पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित हो कि चौकिंग के नाम पर आम जनता एवं पर्यटकों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में जिन स्थानों पर सड़कों पर अतिक्रमण की समस्याएं आ रही हैं, उन्हें सख्ती से हटाया जाए। जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस, परिवहन तथा एमडीडीए टास्क फोर्स बनाकर सड़कों से निरंतर अतिक्रमण हटायें। अन्य जनपदों में भी जहां सड़कों पर अतिक्रमण की समस्या है, इस पर निरंतर कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर होटल और रिसार्ट्स में भी फायर सेफ्टी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी प्रकार की घटना की स्थिति में पुलिस 5 मिनट के अन्दर मौके पर पहुंच जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि शीतकालीन यात्रा के दृष्टिगत भी सभी व्यवस्थाएं सुचारू रखी जाएं। पर्यटकों की सुविधा के लिए जानकारी केन्द्रों की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जन सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स्ट्रीट लाइट एवं शीतकाल के दृष्टिगत अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सफाई व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिए जाने तथा प्लास्टिक मुक्ति के लिए अभियान चलाए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि इस मुहिम में सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक संगठनों के साथ ही आम लोगों से भी सहयोग लिया जाए।

बैठक में अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, गढ़वाल कमिश्नर एवं सचिव विनय शंकर पाण्डेय, सचिव धीराज गर्ब्याल, अपर पुलिस महानिदेशक वी. मुरूगेशन, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, शासन एवं पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा वर्चुअल माध्यम से आईजी कुमांऊ श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, सभी जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

कई मुकदमों में फरार अपराधी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। लंबे समय से कई मुकदमों में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार थाना सिडकुल पुलिस द्वारा कई मुकदमों में फरार चल रहे सागर उर्फ गबरु पुत्र विजेन्द्र, निवासी ग्राम भैसानी, पोस्ट फलौदा, थाना पुरकाजी ग्रामीण, जनपद मुजफ्फरनगर (उ.प्र.), हाल पता रावली महदूद, निकट जोहड़ टीन मार्केट, थाना सिडकुल, जनपद हरिद्वार को हिरासत में लिया गया है। आरोपी काफी समय से स्मैक के कारोबार में संलिप्त रहते हुए अपराध कारित किया जा रहा था।

लाखों की संख्या मे नशीले इंजैक्शन, व कैप्सूलों का जखीरा बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंह नगर। नशावर्ती के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने लाखों रूपये की नशीले इंजेक्शन व कैप्सूलो का जखीरा बरामद कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली आईटीआई पुलिस को सूचना मिली कि दडियाल फ्लाई ओवर के पास बाजपुर रोड नेशनल हाईवे के किनारे पुराल के नीचे प्लास्टिक की काली पन्नी के नीचे छिपाकर रखी गयी गत्ते की 17 पेटियां रखी गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर मौके से 5 अलग-अलग भूरे रंग की गत्ते की पेटियो के अन्दर एनआरएक्स बुप्रेनोरफीन इंजेक्शन आईपी 3 एमजी/एमएल, बीआई नोरफीन, 2 एमएल एम्पूल के 12250 इंजेक्शन तथा 3 गत्ते की पेटी के अन्दर स्पास्मो कैप्सूल्स 49,920, 3 गत्ते की पेटी के अन्दर स्पासमोर कैप्सूलस 64560, 3 गत्ते की पेटी के अन्दर, प्रोक्सिओम स्पास कैप्सूलस 51360 व 3 गत्ते की पेटी के अन्दर ओहम्स एल्फा 5 टेबलेट्स 1,74,000 बरामद की। जिसके आधार पर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। बरामद माल की कीमत 40 लाख रूपये बतायी जा रही है।

अतिक्रमण पर मिलेगा तुरंत अलर्ट, विभागाध्यक्ष होंगे सीधे जिम्मेदार

संवाददाता

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने कहा कि अतिक्रमण पर तुरंत अलर्ट मिलेगा जिसकी सीधे जिम्मेदारी विभागाध्यक्ष होंगे।

आज यहां जिले में सार्वजनिक परिसंपत्तियों के प्रभावी प्रबंधन को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में समस्त विभागों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरकारी भूमि, भवन, सड़कों, तालाबों, पार्कों सहित अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों के संरक्षण और अभिलेखीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपनी-अपनी परिसंपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड शीघ्र तैयार करें। इसके अंतर्गत प्रत्येक परिसंपत्ति का पॉलीगॉन (सीमा निर्धारण) बनाकर उसे निर्धारित पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि परिसंपत्तियों की वास्तविक स्थिति, क्षेत्रफल और लोकेशन स्पष्ट रूप से दर्ज हो सके। सीडीओ ने कहा कि परिसंपत्तियों का सही और अद्यतन डेटा उपलब्ध होने से अतिक्रमण रोकने, रखरखाव की योजना बनाने और विकास कार्यों को गति देने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए और लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ने जानकारी दी कि जिले के 63 विभागों में से 14 विभागों द्वारा परिसंपत्तियों की मैपिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जबकि 39 विभागों द्वारा यह कार्य प्रगति पर है। वहीं एमडीडीए, उत्तराखंड जल विद्युत निगम, पेयजल निगम, विजिलेंस, उच्च शिक्षा, निदेशालय शहरी विकास, महिला कल्याण सहित कुल 10 विभागों ने अभी तक मैपिंग कार्य प्रारंभ ही नहीं किया है। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन विभागों ने अभी तक मैपिंग कार्य प्रारंभ नहीं किया है, वे इसे तत्काल शुरू करें। जिन विभागों की कुछ परिसंपत्तियों की मैपिंग शेष है, वे एक सप्ताह के भीतर कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि परिसंपत्तियों की मैपिंग एवं पोर्टल पर अपलोड होने के बाद यदि किसी प्रकार का अतिक्रमण या निर्माण होता है तो संबंधित विभागाध्यक्ष को सीधे अलर्ट प्राप्त होता है, जिससे समय रहते कार्रवाई कर अतिक्रमण को रोका जा सकता है। देहरादून जिले में अब तक 4,988 सार्वजनिक परिसंपत्तियों की मैपिंग कर पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी है। इनमें से 211 परिसंपत्तियों पर अतिक्रमण संबंधी अलर्ट पोर्टल के माध्यम से जारी हुए हैं। कई मामलों में विभागों द्वारा समय पर कार्रवाई न किए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों को अलर्ट संदेशों का त्वरित संज्ञान लेने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, अर्थ एवं संख्याधिकारी शशि कांत गिरी, मुख्य शिक्षा अधिकारी वीके ढौंडियाल, जिला पर्यटन अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय सहित अन्य सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।